कामये दुःखतप्तानाम्।
प्राणिनाम् आर्तिनाशनम्॥

जागृति

वर्ष:67 अंक-04 मुम्बई मार्च 2023

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

जागृति

वर्ष:६७ अंक-04 मुम्बई मार्च 2023

खादी और ग्रामोद्योग आयोग की औद्योगिकीकरण विषयक मासिक पत्रिका

सम्पादकीय मण्डल

अध्यक्ष
श्री विनीत कुमार

संपादक
एम. राजन बाबू

सह संपादक
संजीव पोसवाल

उप संपादक
सुबोध कुमार

डिजाईन व पृष्ठसज्जा

कलाकार
दिलीप पालकर

उप संपादक
सुबोध कुमार

प्रचार, फ़िल्म एवं लोक शिक्षण
कार्यक्रम निदेशालय द्वारा
खादी और ग्रामोद्योग आयोग,
ग्रामोदय, 3 इर्ला रोड, विले पार्ले (पश्चिम),
मुंबई -400056 के लिए ई-प्रकाशित
ईमेल: kvicpub@gmail.com
वेबसाइट: www.kvic.org.in

आवश्यक नहीं कि पत्रिका में प्रकाशित लेखों तथा विचारों से खादी और ग्रामोद्योग आयोग अथवा संपादक सहमत हों

Khadi India

इस अंक में.....

समाचार सार 03-21

पीएमईजीपी योजना के तहत उत्तरी क्षेत्र में 305.64 करोड़ रुपये के ऋण की मंजूरी और 100.60 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण 3

पीएमईजीपी योजना के तहत उत्तरी क्षेत्र में 305.64 करोड़ रुपये के ऋण की मंजूरी और 100.60 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण 6

पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत 3,083 लाभार्थियों के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये ऋण स्वीकृत.....8

केवीआईसी द्वारा राजस्थान के करौली के हिंडौन सिटी में आयोजित कार्यक्रम में मधुमक्खी पालकों के बीच 300 मधुमक्खी बक्सों का वितरण 9

पिछले कुछ वर्षों में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अपने कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त कुछ उपलब्धियां.....9

उद्यम स्थापित करके स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम:पीएमईजीपी योजना के तहत पश्चिम क्षेत्र में 304.65 करोड़ रुपये का ऋण और 100.55 करोड़ 10

केवीआईसी द्वारा खादी कामगारों की मजदूरी में 33 प्रतिशत बढ़ोतरी से कारीगरों में खुशी की लहर.....12

आयोग के अध्यक्ष द्वारा मधुमक्खी पालन, खादी की कताई और बुनाई के प्रशिक्षण हेतु प्रमाण पत्र वितरित.....13

केवीआईसी का पीएमईजीपी कार्यक्रम गैर-कृषि क्षेत्र में नई इकाइयों की स्थापना में उद्यमियों को सहायता करता है 14

एमएसएमई क्षेत्र में निवेश और नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए कार्यान्वित योजनाएं और कार्यक्रम; पहली बार निर्यातकों के क्षमता निर्माण की योजना 15

भारत सरकार ने स्वदेशी खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए कई कदम उठाए.....16

केवीआईसी द्वारा ओडिशा में 'खादी महोत्सव' का आयोजन 17

पटना में 10 दिवसीय खादी ग्रामोद्योग महोत्सव - आंचलिक खादी ग्रामोद्योग और पीएमईजीपी प्रदर्शनी.....19

दिल्ली के लाल किले में 'भारत पर्व' प्रदर्शनी.....21

राज्य कार्यालय, त्रिवेंद्रम द्वारा जागरूकता शिविर का आयोजन.....21

मीडिया कवरेज.....36

पीएमईजीपी योजना के तहत उत्तरी क्षेत्र में 305.64 करोड़ रुपये के ऋण की मंजूरी और 100.60 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी का वितरण एवं केवीआईसी की ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत उपकरणों का वितरण

जम्मू-कश्मीर, 11 फरवरी 2023: आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और छलांग लगाते हुए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री व प्रधान मंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह, खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 305.64 करोड़ रुपये के बैंक स्वीकृति पत्र प्रदान किए और उत्तरी क्षेत्र (जम्मू और कश्मीर (केन्द्र शा.), लद्दाख (केन्द्र शा.), हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली) के 3490 लाभार्थियों को 100.60 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी अनुदान राशि वितरित की, जिसमें केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार की एक रोजगार उन्मुख प्रमुख योजना के तहत जम्मू और कश्मीर (केन्द्र शा.), के 2369 लाभार्थियों को 47.47 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी अनुदान राशि वितरित की गई।

इस अवसर पर श्री विनीत कुमार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, केवीआईसी, सुश्री कृतिका जॉयत्साना, उप. आयुक्त और श्री एस. पी. खंडेलवाल राज्य निदेशक केवीआईसी जम्मू-कश्मीर भी उपस्थित थे।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री एवं प्रधान मंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री माननीय डॉ. श्री जितेंद्र सिंह ने इस भव्य स्वागत के लिए

अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री व प्रधान मंत्री कार्यालय के राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में अगरबत्ती प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित लोगों को प्रमाण पत्र के साथ विद्युत चालित कुम्हारी चाक, कारीगरों को चर्म टूल किट वितरित किए।

केवीआईसी को धन्यवाद दिया, उन्होंने आगे कहा कि प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी ने खादी को न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर आम लोगों के लिए उपलब्ध कराया है। उन्होंने राष्ट्रीय परिदृश्य में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार के प्रयासों की भी सराहना की। दर्शकों को संबोधित करते हुए, उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय और भौगोलिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उधमपुर में रोजगार के अवसर पैदा करने में एमएसएमई की बड़ी भूमिका है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि उद्यमियों को लगातार नवाचार करना चाहिए और नए विचार लाने चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अपनी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से एमएसएमई को आगे बढ़ने एवं सक्षम बनाने में केवीआईसी की महत्वपूर्ण भूमिका है।

कार्यक्रम में 40 कुम्हारी चाक, 10 चर्म के जूते मरम्मत उपकरण किट और 40 अगरबत्ती कारीगरों को प्रशिक्षण प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से

बहुत कम लागत पर दूरदराज के क्षेत्रों में कारीगरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा कर रहा है।

श्री मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी की ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत कुम्हार सशक्तिकरण योजना, शहद मिशन, चर्म कारीगर सशक्तिकरण योजना, अगरबत्ती बनाना, हस्तनिर्मित कागज आदि योजनाओं के माध्यम से उन्नत प्रशिक्षण और टूल किट प्रदान करके अधिक से अधिक कारीगरों की आर्थिक और सामाजिक स्थिति में सुधार करने का प्रयास किया जा रहा है।

एक समृद्ध, मजबूत, आत्मनिर्भर और खुशहाल राष्ट्र के निर्माण के लिए, केवीआईसी के अध्यक्ष ने लाभार्थियों को अपनी इकाइयों को सफलतापूर्वक चलाने के लिए प्रेरित किया। इससे बेरोजगार युवाओं को देश के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के आत्मनिर्भर भारत के सपने "नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाले बनें"को पूरा करने के लिए प्रेरणा मिलेगी।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार का प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इस योजना के तहत कोई भी उद्यमी विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख रुपये और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये तक की इकाई स्थापित कर सकता है।

इन इकाइयों की स्थापना के लिए भारत सरकार द्वारा शहरी क्षेत्रों में लाभार्थियों को संपूर्ण परियोजना लागत का 15% से 25% तथा ग्रामीण क्षेत्रों में 25% से 35% अनुदान के रूप में प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही लाभार्थियों को स्थापित उद्यमी बनाने के लिए ऋण स्वीकृति के बाद निःशुल्क उद्यमिता विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

❑❑

जम्मू-कश्मीर के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें केवीआईसी के माध्यम से व्यापार और विकास में समान अवसर प्रदान करने के लिए उधमपुर में एक लाइव प्रदर्शन सत्र आयोजित किया गया था। सत्र में कलात्मक मिट्टी के बर्तन बनाना, अगरबत्ती निर्माण और मधुमक्खी पालन शामिल थे।

12.02.2023 को, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय और पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राज्य मंत्री, डॉ. जितेंद्र सिंह के साथ उधमपुर जम्मू-कश्मीर प्रदर्शनी का दौरा किया। भारत को एक राष्ट्र बनाने की दिशा में हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के साथ जम्मू-कश्मीर और खादी को एक साथ लाना एक सम्मान की बात है।

केवीआईसी के अध्यक्ष द्वारा हरियाणा में खादी ग्रामोद्योगी प्रदर्शनी का उद्घाटन, मधुमक्खी पालकों को आजीविका के लिए बी-बॉक्स भी बांटे

10.02.2023; हिसार (हरियाणा) : खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने ओल्ड कॉलेज ग्राउंड, हिसार (हरियाणा) में एक जोनल स्तर की पीएमईजीपी प्रदर्शनी "खादी-ग्रामोद्योग महोत्सव" का आयोजन किया गया, जिसका उद्घाटन 'मुख्य अतिथि' के रूप में केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस प्रदर्शनी में, हरियाणा प्रदेश एवं आस-पास के राज्यों की विभिन्न इकाइयों द्वारा उत्पादित खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की विशाल श्रृंखला को प्रदर्शित किया गया है।

प्रदर्शनी के उदघाटन अवसर पर, श्री मनोज कुमार ने पीएमईजीपी उद्यमियों, खादी कारीगरों के साथ बातचीत करते हुए युवाओं को खादी और ग्रामोद्योग कार्यक्रम और बेरोजगारी उन्मूलन योजनाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त करके आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस जोनल स्तर की प्रदर्शनी का आयोजन **माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** द्वारा परिकल्पित **'वोकल फॉर लोकल'** के आधार पर किया गया था।

उन्होंने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि खादी 'स्वदेशी' का सबसे बड़ा प्रतीक और 'आत्मनिर्भरता' का सशक्त साधन है। आज खादी के उत्पाद बाजार की प्रतिस्पर्धा में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं, खादी की बिक्री के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। प्रदर्शनी के स्टॉल्स , सरकार की पहल को गति प्रदान करते हुए **माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी** के विचार को निश्चित ही मजबूती प्रदान कर रहे हैं साथ ही खादी, विकास के सपने को साकार करने और **'आत्मनिर्भर भारत'** के लिए प्रेरणा का स्रोत भी बन सकते हैं।

उन्होंने कहा कि आज हर वर्ग की पसंद को ध्यान में रखते हुए खादी में नए-नए डिजाइन तैयार किए जा रहे हैं, ताकि, दूर-दराज के इलाकों में रह रहे हमारे ग्रामीण खादी कारीगर तथा ग्रामोद्योग गतिविधियों से जुड़े उद्यमी अधिक से अधिक आय के स्रोत पैदा कर सकें।

उन्होने कहा कि "खादी का काम ही ऐसा कार्यक्रम है जो गाँव के आर्थिक उत्थान का साधन होने के साथ-साथ भारत की आर्थिक स्वतंत्रता का भी प्रतीक है।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि खादी और ग्रामोद्योग के माध्यम से देश के ग्रामीण आँचल में रहने वाले नागरिकों को स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढना चाहिए। "**खादी, एक विरासत, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता का प्रतीक** है। यह एक विचारधारा और राष्ट्र के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक बना हुआ है।

श्री मनोज कुमार ने यह भी बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग द्वारा देश भर में पीएमईजीपी योजना के माध्यम से लगभग 8.40 लाख इकाइयों की स्थापाना की गई हैं, जिनके माध्यम से लगभग 68.75 लाख लोगों को रोजगार उपलब्ध हुआ I हरियाणा राज्य में पीएमईजीपी के अन्तर्गत लगभग 9000 यूनिट्स स्थापित हुई हैं जिनके माध्यम से लगभग एक लाख लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है। इस वित्तीय वर्ष 2022-23 में, हरियाणा राज्य में पीएमईजीपी योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को रू.84.82 करोड़ मार्जिन मनी सब्सिडी स्वीकृत की गई, जिससे लगभग 17,000 लोगों को रोजगार उपलब्ध होगा।

इस अवसर पर **आयोग के अध्यक्ष ने विडियो कांफ्रेंस के माध्यम** से सिरसा जिले में मधुमक्खी पालन के अन्तर्गत 10 प्रशिक्षित लाभार्थियों को 100 मधुमक्खी बॉक्स एवं 10 महिलाओं को दोना -पत्तल बनाने की मशीनें एवं प्रमाणपत्र भी

वितरित किये।

केवीआईसी द्वारा प्रदर्शनी में **चरखा कताई एवं पॉटरी उत्पादों के निर्माण** का **जीवंत प्रदर्शन** भी किया गया, जो कि प्रदर्शनी का एक प्रमुख आकर्षण था, एवं आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के ग्रामोत्थान को भी दर्शाता रहा था। इस क्षेत्रीय स्तर की प्रदर्शनी ने खादी प्रेमियों, नए खादी ग्राहकों और आगंतुकों को आकर्षित किया।

इस अवसर पर श्री गौतम सरदाना, महापौर, नगरपालिका हिसार, केवीआईसी के जोनल उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी, राज्य निदेशक-अम्बाला (हरियाणा), अन्य उच्च अधिकारी, विभिन्न बैंकों के अधिकारीगण उपस्थित रहे। ❑❑

हरियाणा में अपनी यात्रा के दौरान, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने हरियाणा के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें खादी ग्रामोद्योग के माध्यम से व्यवसाय, विकास और प्रशिक्षण में समान अवसर प्रदान करने के लिए आयोजित एक लाइव प्रदर्शन सत्र देखा। इस सत्र में कलात्मक मिट्टी के बर्तन बनाना, चरखा चलाना शामिल था।

पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत 3,083 लाभार्थियों के लिए लगभग 300 करोड़ रुपये ऋण स्वीकृत

100.63 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी जारी, लगभग 25,000 नई नौकरियों का सृजन

25 फरवरी, 2023: राजस्थान के करौली जिले के हिंडौन सिटी में स्थित कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित एक कार्यक्रम में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने राजस्थान के करौली-धौलपुर लोकसभा सांसद डॉ. मनोज राजोरिया की गरिमामयी उपस्थिति में मधुमक्खी पालकों के बीच मधुमक्खी कॉलोनी सहित 300 मधुमक्खी बक्सों का वितरण किया। उन्होंने पीएमईजीपी परियोजनाओं के लिए 296.19 करोड़ रुपये की स्वीकृत ऋण के साथ-साथ पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत 3,083 लाभार्थियों के लिए 100.63 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी सब्सिडी भी जारी की, इससे लगभग 25,000 लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर उत्पन्न होंगे।

इस अवसर पर श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने कहा कि 'प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम' (पीएमईजीपी) खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा कार्यान्वित की जाने वाली सरकार की प्रमुख फ्लैगशिप योजना है। उन्होंने कहा कि पीएमईजीपी योजना के अंतर्गत अब तक 8 लाख से ज्यादा परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की गई है, जिसके अंतर्गत 21,000 करोड़ रुपये से ज्यादा 'मार्जिन मनी सब्सिडी' का वितरण किया गया है और पूरे देश में 68 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार के अवसर प्रदान किए गए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आदर्श वाक्य **"नौकरी मांगने वाला बनने के बजाय नौकरी प्रदाता बनें"** को दोहराया।

उन्होंने कहा कि केवीआईसी देश के कोने-कोने में विभिन्न रोजगारोन्मुखी योजनाएं लागू कर रहा है जिससे रोजगार चाहने वाले युवा अपनी इकाइयां स्थापित कर सकें।

केवीआईसी द्वारा राजस्थान के करौली के हिंडौन सिटी में आयोजित कार्यक्रम में मधुमक्खी पालकों के बीच 300 मधुमक्खी बक्सों का वितरण

श्री मनोज कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा देश में 'मीठी-क्रांति' का आह्वान करने के बाद केवीआईसी ने रोजगार के नए अवसर उत्पन्न करने और मधुमक्खी पालकों की आय और किसानों की उपज बढ़ाने के उद्देश्य से हनी मिशन की शुरूआत की है। उन्होंने कहा कि इस योजना के अंतर्गत 17,570 मधुमक्खी पालकों को प्रशिक्षण दिया गया है और मधुमक्खी कॉलोनियों के साथ 1.75 लाख मधुमक्खी बक्से वितरित किए गए हैं।

केवीआईसी अध्यक्ष ने कहा कि 'कुम्हार सशक्तिकरण योजना' के अंतर्गत केवीआईसी ने 24,410 कुम्हारों को बिजली से चलने वाले चाक का वितरण किया। इसके अलावा 1,560 अगरबत्ती कारीगरों को उनके कौशल विकास, उत्पाद गुणवत्ता और आय में वृद्धि करने के लिए अगरबत्ती बनाने वाली मशीनों का वितरण किया गया।

उन्होंने कहा कि 2014 से प्रधानमंत्री मोदी के संकल्प ने खादी क्षेत्र का अपग्रेडेशन और विकास करते हुए इस क्षेत्र को पुनर्जीवित किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निरंतर प्रयासों और अथक परिश्रम के कारण खादी ग्रामोद्योग नई ऊंचाइयों पर पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि इसके कारण खादी ग्रामोद्योग की बिक्री का आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष में 1,15,000 करोड़ रुपये को पार कर गया, जो कि आजादी के बाद पहली बार हुआ।

श्री कुमार ने कहा कि प्रधानमंत्री के समर्पित दृष्टिकोण को पूरा करने के लिए केवीआईसी ने खादी क्षेत्र में काम करने वाले कारीगरों को ज्यादा मेहनताना देकर उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि हाल ही में एक बार में लगभग 35 प्रतिशत मजदूरी बढ़ाने का निर्णय लिया गया जो अपने आप में एक ऐतिहासिक कदम है।

उन्होंने कहा कि 2014 में मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद केवीआईसी ने कारीगरों की मजदूरी में अबतक लगभग 150 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी की है।

❑❑

पिछले कुछ वर्षों में खादी एवं ग्रामोद्योग आयोग द्वारा अपने कार्यक्रमों के माध्यम से प्राप्त कुछ उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

- **खादी एवं ग्रामोद्योग का उत्पादन लगभग 84,290 करोड़ रुपये और बिक्री लगभग 1,15,415 करोड़ रुपये है, जिसके माध्यम से लाखों लोगों को रोजगार मिला।**
- **गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर, 2022 को नई दिल्ली के कनॉट प्लेस में केवीआईसी फ्लैगशिप आउटलेट की एक दिन की बिक्री 1.34 करोड़ रुपये से ज्यादा रही, जो कि एक रिकॉर्ड है।**
- **इसी प्रकार, खादी पवेलियन आईआईटीएफ, 2022 में 12.6 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री हुई।**
- **केवीआईसी द्वारा इस वर्ष प्रयागराज में आयोजित किए गए माघमेले में 53 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी के साथ 5.83 करोड़ रुपये की बिक्री का नया रिकॉर्ड स्थापित किया।**
- **इसी वित्तीय वर्ष में मुंबई में आयोजित "खादी फेस्ट" ने भी 3 करोड़ की बिक्री का नया रिकॉर्ड कायम किया।**

उद्यम स्थापित करके स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

पीएमईजीपी योजना के तहत पश्चिम क्षेत्र में 304.65 करोड़ रुपये का ऋण और 100.55 करोड़ रुपये की मार्जिन धनराशि अनुदान का वितरण किया गया

कोराडी, नागपुर; 07 फरवरी, 2023: आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक और छलांग लगाते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने पश्चिमी क्षेत्र (गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, दमन और दीव, दादरा-नगर हवेली) के 1463 लाभार्थियों को 100.55 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी अनुदान का वितरण किया। यह वितरण स्वीकृत 304.65 करोड़ रुपये के ऋण के संबंध में किया गया। इसमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत महाराष्ट्र के 654 लाभार्थियों को 24.38 करोड़ रुपये की मार्जिन मनी अनुदान धनराशि वितरित की गई। यह केवीआईसी द्वारा कार्यान्वित भारत सरकार की एक प्रमुख रोजगार- उन्मुख योजना है।

इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने विभिन्न कार्यक्रमों के जरिए बहुत कम लागत पर सुदूर क्षेत्रों में कारीगरों के लिए उनके दरवाजे पर रोजगार के अवसर उत्पन्न कर रहा है। श्री मनोज कुमार ने कहा कि केवीआईसी की

ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत पहलों, जैसे कि कुम्हार सशक्तिकरण योजना, शहद मिशन, चर्म कारीगर सशक्तिकरण योजना, अगरबत्ती बनाना, हस्तनिर्मित कागज आदि के माध्यम से

उन्नत प्रशिक्षण और उपकरण प्रदान करके अधिक से अधिक कारीगरों की आर्थिक व सामाजिक स्थिति में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने एक समृद्ध, मजबूत, आत्मनिर्भर और खुशहाल राष्ट्र के निर्माण को लेकर लाभार्थियों को अपनी इकाइयां सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए प्रेरित किया। यह बेरोजगार युवाओं को आत्मनिर्भर भारत को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के आदर्श वाक्य **"नौकरी मांगने वाले की जगह नौकरी देने वाले बनें"** को पूरा करने के लिए प्रेरित करेगा। यह उल्लेखनीय है कि भारत सरकार का प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इस योजना के तहत कोई भी उद्यमी विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख रुपए तक और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपए तक की इकाई की स्थापना कर सकता है। इन इकाइयों की स्थापना के लिए भारत सरकार शहरी क्षेत्रों के लाभार्थियों को पूरी परियोजना लागत का 15 फीसदी से 25 फीसदी और ग्रामीण लाभार्थियों को 25 फीसदी से 35 फीसदी हिस्सा अनुदान के रूप में प्रदान करती है। इसके साथ ही, ऋण की मंजूरी के बाद लाभार्थियों को सफल उद्यमी बनाने के लिए नि:शुल्क उद्यमिता विकास प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाता है।

इस कार्यक्रम के दौरान केवीआईसी के अध्यक्ष ने "खादी संवाद" चर्चा में खादी और ग्रामोद्योग के कारीगरों, संगठन के प्रतिनिधियों व उद्यमियों के साथ बातचीत की। इसका आयोजन क्षेत्र में संचालित खादी और ग्रामोद्योग गतिविधियों को बढ़ाने के लिए किया गया था। इस चर्चा के बाद सभी ने उत्साहपूर्ण वातावरण में दोपहर का भोजन किया।

इस अवसर पर राज्य के गणमान्य व्यक्ति, पीएमईजीपी लाभार्थी, खादी और ग्रामोद्योग संस्थानों के प्रतिनिधि व केवीआईसी के अधिकारी उपस्थित थे। ❑❑

केवीआईसी द्वारा खादी कामगारों की मजदूरी में 33 प्रतिशत बढ़ोतरी से कारीगरों में खुशी की लहर

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने खादी क्षेत्र की जोरदार पैरवी करते हुए विश्व स्तर पर इसे बढ़ावा देने के साथ-साथ बुनकरों की आय को दो से तीन गुना सुनिश्चित करने की बात कही है।

श्री मनोज कुमार, अध्यक्ष, केवीआईसी ने कहा कि ग्रामीण स्तर पर खादी कामगारों को प्रोत्साहित करने, खादी उत्पादन को बढ़ाने, अधिक से अधिक रोजगार सृजन कर ग्रामीण-अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से, गत कुछ माह में देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत खादी संस्थाओं एवं खादी कामगारों के साथ बैठकें आयोजित की एवं उनकी कठिनाइयों को दूर कर, उनमें नई ऊर्जा का संचार करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से उनसे संवाद किया I

उन्होंने कहा कि 'खादी संवाद' के दौरान उन्होंने पाया कि खादी क्षेत्र की सूत कताई करने वाली कत्तिनों और बुनकरों ने खादी उत्पादन बढ़ाने में विशेष योगदान दिया है और उनके पारिश्रमिक को बढ़ाने की मांग दशकों से लंबित है I

खादी क्षेत्र के कामगारों कत्तिन-बुनकरों के योगदान को ध्यान में रखते हुए, श्री मनोज कुमार की अध्यक्षता में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी 694वीं बैठक में, कामगारों की मजदूरी 7.50 रुपये प्रति हंक से बढ़ाकर 10 रुपये प्रति हंक करने का निर्णय लिया। जिससे उनकी मासिक आय में औसतन 33% तक की वृद्धि होगी एवं बुनकरों के पारिश्रमिक में 10% की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। यह निर्णय 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी होगा I

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने रेडियो प्रसारण कार्यक्रम "मन की बात" के माध्यम से कई बार लोगों से खादी खरीदने, विशेषकर युवाओं से अपील की है, जिसके परिणाम स्वरूप खादी उत्पादों की विगत वर्षों की तुलना में रिकार्ड बिक्री हुई है । माननीय प्रधानमंत्री जी ने "खादी फॉर नेशन, खादी फॉर फैशन और खादी फॉर ट्रांसफ़ोरमेशन के मूलमंत्र के साथ खादी अपनाने तथा उत्पादन और विक्रय के बढ़ाने वाले हर संभव प्रयास की

शेष पृष्ठ 12 पर

आयोग के अध्यक्ष द्वारा मधुमक्खी पालन, खादी की कताई और बुनाई के प्रशिक्षण हेतु प्रमाण पत्र वितरित

16.02.2023 को, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने गंगा नगर, मेरठ में मधुमक्खी पालन, खादी कपड़ों की कताई और बुनाई और कंप्यूटर की बुनियादी बातों के प्रशिक्षण के लिए प्रमाण पत्र वितरित किए। इन प्रशिक्षुओं को एमडीटीसी, पंजोखरा द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया था।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि गंगा नगर, मेरठ में 332.03 करोड़ की बैंक मंजूरी पर देश के उत्तर और मध्य क्षेत्र में 111.90 करोड़ की राशि के साथ 11000 से अधिक रोजगार सृजित किए गए हैं। पीएमईजीपी मार्जिन मनी (सब्सिडी) अनुदान के तहत कुल 3802 लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया है, जिससे आजीविका खादी समुदायों को सशक्त बनाया गया है।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने राजस्थान के हनुमानगढ़ के भादरा में समग्र सेवा संस्थान, बीकानेर के एक नए खादी भवन का उद्घाटन किया। यह खादी भवन, व्यवसाय से लेकर कारीगर समुदाय तक के लिए अधिक संख्या रोजगार उत्पन्न करेगा।

पृष्ठ 12 से आगे.....

सराहना की है और अपने विचारों से खादी को एक बार पुनः लोकप्रिय बनाने का कार्य किया है।

इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021- 2022 में खादी और ग्रामोद्योग का उत्पादन 84,290 करोड़ एवं बिक्री 1,15,415 करोड़ की रही, एवं इस वर्ष खादी ग्रामोद्योग भवन, दिल्ली ने 2 अक्टूबर को एक दिन में 1.34 करोड़ रूपये की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसका श्रेय हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा देश की जनता को खादी खरीदने के लिए किये गये आह्वान एवं हमारे खादी उत्पादन एवं बिक्री कार्य में लगे उन लाखों कारीगरों एवं खादी कार्यकर्ताओं को जाता है, जिन्होंने अथक परिश्रम किया I

उन्होने कहा कि, खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने कारीगरों, बुनकरों, खादी संस्थाओं को अधिक से अधिक काम उपलब्ध कराने और पीएमईजीपी इकाइयों को विपणन में सहयोग देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों का आयोजन कर रहा है। स्वरोजगार स्थापित करने के लिए पीएमईजीपी योजना के तहत ऋण स्वीकृति में तेजी लाई जा रही है।

केवीआईसी का पीएमईजीपी कार्यक्रम गैर-कृषि क्षेत्र में नई इकाइयों की स्थापना में उद्यमियों को सहायता करता है

१३ फरवरी, २०२३: एमएसएमई मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से, गैर-कृषि क्षेत्र में नई इकाइयों की स्थापना में उद्यमियों की सहायता के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) चला रहा है। इसका उद्देश्य व्यापक रूप से दूर-दूर तक फैले पारंपरिक कारीगरों/ग्रामीण और शहरी बेरोजगार युवाओं को एक साथ लाना और उन्हें उनके दरवाजे पर यथासंभव स्वरोजगार के अवसर प्रदान करना है।

पीएमईजीपी के तहत, सामान्य श्रेणी के लाभार्थी ग्रामीण क्षेत्रों में परियोजना लागत का 25% और शहरी क्षेत्रों में 15% की मार्जिन मनी (एमएम) सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, महिला, पूर्व सैनिक, शारीरिक रूप से विकलांग, पूर्वोत्तर क्षेत्र, पहाड़ी और सीमावर्ती क्षेत्रों आदि जैसे विशेष श्रेणियों से संबंधित लाभार्थियों के लिए मार्जिन मनी सब्सिडी ग्रामीण क्षेत्रों में 35% और शहरी क्षेत्रों में 25% है।। परियोजना की अधिकतम लागत विनिर्माण क्षेत्र में 50 लाख रुपये और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये है।

वर्ष 2018-19 से 2022-23 तक देश में पीएमईजीपी के तहत सहायता प्राप्त इकाइयों की संख्या, वितरित मार्जिन मनी

पीएमईजीपी के तहत 2018-19 की तुलना में 2021-22 के दौरान सृजित रोजगार में कोई कमी नहीं आई है। वास्तव में, पीएमईजीपी के तहत उत्पन्न रोजगार में 2018-19 में 587,416 से 2021-22 में 825,752 तक अर्थात 40% की वृद्धि हुई है।

देश में अधिक रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए केवीआईसी द्वारा निम्नलिखित कदम उठाए जा रहे हैं:

रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए, केवीआई योजनाओं का प्रचार करने हेतु सभी स्तरों पर जागरूकता शिविर, कार्यशालाएं और प्रदर्शनियां आयोजित की जा रही हैं।

प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से केवीआई

सब्सिडी और सृजित अनुमानित रोजगार इस प्रकार है: 2018-19 से 2022-23 तक पीएमईजीपी के तहत प्रदर्शन (31.01.2023 तक)

(एमएम: रुपये लाख में, परियोजना/रोजगार: संख्या में)

वर्ष	इकाइयां सहायता प्राप्त	मार्जिन मनी सब्सिडी वितरित	अनुमानित रोजगार सृजित
2018 - 19	73427	207000.54	587416
2019 - 20	66653	195082.15	533224
2020 - 21	74415	218880.15	595320
2021 - 22	103219	297765.91	825752
2022 - 23 (31.01.2023 तक)	55499	178231.00	443992
कुल	**373213**	**1096959.75**	**2985704**

योजनाओं का प्रचार किया जा रहा है। देश के किसानों, आदिवासियों और बेरोजगार युवाओं की आय को पूरा करने के लिए केवीआईसी ने 2017-18 के दौरान हनी मिशन लॉन्च किया। हनी मिशन के तहत, प्रत्येक व्यक्ति को मधुमक्खी के छत्ते के साथ 10 मधुमक्खी के बक्से प्रदान किए जाते हैं।

कुम्भार सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत, केवीआईसी कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रदान करके और अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन के लिए विद्युत चालित कुम्हारी चाक, ब्लंगर, पग मिल, भट्ठा आदि जैसे नए घरेलू स्तर के ऊर्जा कुशल उपकरण प्रदान करके ग्रामीण मिट्टी के बर्तन बनाने वाले कारीगरों की आजीविका का उत्थान कर रहा है।

केवीआईसी ने www.ekhadiindia.com, www.khadiindia.gov.in के माध्यम से सभी केवीआई उत्पादों की ऑनलाइन बिक्री शुरू कर दी है।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

एमएसएमई क्षेत्र में निवेश और नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए कार्यान्वित योजनाएं और कार्यक्रम; पहली बार निर्यातकों के क्षमता निर्माण की योजना शुरू की गई

13 फरवरी, 2023: सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (MSME) ने प्रौद्योगिकी केंद्रों (TCs) की स्थापना की है जो सामान्य इंजीनियरिंग, फोर्जिंग जैसे क्षेत्रों में उपकरणों, सटीक घटकों, मोल्ड्स, डाई, जिग्स आदि के डिजाइन और फाउंड्री, इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन और निर्माण, इलेक्ट्रिकल, सुगंध और स्वाद, कांच, जूते और खेल के सामान निर्माण के माध्यम से उद्योगों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हैं।

मंत्रालय, एमएसएमई क्षेत्र में नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए निवेश प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों को भी लागू करता है। इन योजनाओं/कार्यक्रमों में, अन्य बातों के साथ-साथ, एमएसएमई चैंपियंस स्कीम, सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी फंड ट्रस्ट (सीजीटीएमएसई), प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) और सूक्ष्म और लघु उद्यम - क्लस्टर विकास कार्यक्रम(एमएसई-सीडीपी) जैसी योजनाओं के तहत वित्तीय सहायता शामिल है।

भारतीय निर्यात में एमएसएमई के योगदान और उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने के लिए, एमएसएमई मंत्रालय अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी) योजना लागू कर रहा है, जिसके तहत पात्र केंद्र/राज्य सरकार के संगठनों और उद्योग संघों को प्रौद्योगिकी उन्नयन, आधुनिकीकरण, संयुक्त उद्यम आदि के उद्देश्य से विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनियों/मेलों/क्रेता-विक्रेता बैठकों और भारत में अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन/संगोष्ठी/कार्यशालाओं के आयोजन में एमएसएमई की भागीदारी हेतु यात्रा की सुविधा के लिए प्रतिपूर्ति के आधार पर वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।। आगे, आईसी योजना के नए घटक के तहत जून 2022 में पहली बार निर्यातकों (CBFTE) की क्षमता निर्माण शुरू की गई, नए सूक्ष्म और लघु उद्यमों (MSE) के निर्यातकों को EPCs, निर्यात बीमा प्रीमियम और परीक्षण, निर्यात के लिए गुणवत्ता प्रमाणन और पंजीकरण-सह-सदस्यता प्रमाणन (RCMC) पर खर्च की गई लागत के लिए प्रतिपूर्ति प्रदान की जाती है।। आईसी योजना के तहत ये हस्तक्षेप एमएसएमई क्षेत्र में निर्यातकों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने में सहायता करते हैं।

एमएसएमई मंत्रालय ने सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) को आवश्यक सलाह और सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से देश भर में 52 निर्यात सुविधा केंद्र (ईएफसी) स्थापित किए हैं।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 2021-22 के दौरान अखिल भारतीय निर्यात में निर्दिष्ट एमएसएमई संबंधित उत्पादों के निर्यात का हिस्सा इस प्रकार है:

वर्ष	एमएसएमई से संबंधित उत्पादों का निर्यात (मूल्य मिलियन यूएस डॉलर में)	अखिल भारतीय निर्यात (मूल्य मिलियन यूएस डॉलर में)	अखिल भारतीय निर्यात में एमएसएमई संबंधित उत्पादों के निर्यात का % हिस्सा
2021-22	190,019	422,004	45.03%

भारत सरकार ने स्वदेशी खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए कई कदम उठाए

06 फरवरी, 2023: भारत सरकार ने स्वदेशी खिलौना उद्योग को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। खिलौना क्षेत्र सहित एमएसएमई की डिजाइन और नवाचार संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए, मंत्रालय अपने एमएसएमई प्रौद्योगिकी केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से टूल, मोल्ड्स, डाई, जिग्स, फिक्स्चर, प्रोटोटाइप आदि के डिजाइन और विकास के लिए काम करता है। इसके अलावा, एमएसएमई मंत्रालय संचालन कर रहा है। खिलौना उद्योग सहित एमएसएमई क्षेत्र में कुशल कार्यबल के अंतर को भरने के लिए उद्योग की मांगों के अनुसार इच्छुक और मौजूदा उद्यमियों के लिए विभिन्न कुशल विकास कार्यक्रम।

इसके अलावा, भारतीय मूल्यों, संस्कृति और इतिहास के आधार पर खिलौनों के डिजाइन को बढ़ावा देने, सीखने के संसाधन के रूप में खिलौनों का उपयोग करने, हैकथॉन आयोजित करने और खिलौनों के डिजाइन और निर्माण, गुणवत्ता की निगरानी के लिए भव्य चुनौतियों के लिए सरकार द्वारा खिलौनों के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय कार्य योजना तैयार की गई है। खिलौनों की संख्या, घटिया और असुरक्षित खिलौनों के आयात को प्रतिबंधित करना, स्वदेशी खिलौना क्लस्टर को बढ़ावा देना, स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना और खिलौना निर्माताओं को प्रोत्साहित करना आदि।

खिलौना उद्योग सहित एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए एमएसएमई मंत्रालय नए उद्यम निर्माण, प्रौद्योगिकी उन्नयन, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए ऋण सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं को लागू

(शेष पृष्ठ 18 पर...)

केवीआईसी द्वारा ओडिशा में 'खादी महोत्सव' का आयोजन

देश के युवाओं के बीच खादी और उसके उत्पादों को लोकप्रिय बनाने के लिए, केवीआईसी के अध्यक्ष ने 22.02.2023 को राज्य कार्यालय, केवीआईसी, ओडिशा द्वारा प्रदर्शनी मैदान, भुवनेश्वर में राज्य स्तरीय खादी प्रदर्शनी (खादी महोत्सव 2023) का उद्घाटन किया।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग (KVIC) ने ओडिशा के भुवनेश्वर में IDCO प्रदर्शनी मैदान में राज्य स्तरीय 'खादी महोत्सव 2023' उत्सव का आयोजन किया।दस दिवसीय खादी प्रदर्शनी में बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु के ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों ने भाग लिया।

प्रदर्शनी में ग्रामीण कारीगरों द्वारा निर्मित उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ-साथ कताई, बुनाई, टेराकोटा और अन्य प्रक्रियाओं का जीवंत प्रदर्शन किया गया।

प्रदर्शनी पर टिप्पणी करते हुए केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने एक बयान में कहा, "ये प्रदर्शनियां अब केवीआईसी द्वारा पूरे देश में आयोजित की जा रही हैं ताकि हमारे ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों के उत्पादों को बड़े शहरों में पहचान मिल सके।

उन्होंने कहा, "कारीगरों और उद्यमियों को अपनी पहुंच बढ़ाने और विस्तार करने के लिए केवीआईसी द्वारा अन्य बड़े शहरों के साथ-साथ विदेशों में भी आयोजित की जाने वाली ऐसी प्रदर्शनियों का लाभ उठाना चाहिए।

"प्रदर्शनी 22 फरवरी को शुरू हुई और 2 मार्च को समाप्त हुई।

कार्यक्रम की कुछ झलकियां

अपनी ओडिशा यात्रा के दौरान, केवीआईसी के अध्यक्ष, श्री मनोज कुमार ने एक लाइव प्रदर्शन सत्र देखा, जो ओडिशा के कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने और उन्हें केवीआईसी के माध्यम से व्यापार और विकास में समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रदर्शनी ग्राउंड, यूनिट -3 भुवनेश्वर, ओडिशा में आयोजित किया गया था। उन्होंने भुवनेश्वर में खादी संवाद कार्यक्रम के तहत ओडिशा में खादी संस्थानों के प्रतिभाशाली कारीगरों के साथ भी बातचीत की।

देश के कुशल श्रमिकों को सशक्त बनाने के हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के महान विज़न के साथ, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 22.02.2023 को कडुआ, सखीगोपाल, पुरी में ओडिशा के कारीगरों को शिल्प कौशल के लिए सुंदर हस्तनिर्मित कागज बनाने के लिए हाइड्रा पल्पर मशीनें एवं मधुमक्खी बक्से और मधुमक्खी कॉलोनी वितरित कीं।

केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा, इससे इन कुशल श्रमिकों के कौशल सेट और दक्षता को बढ़ाने में मदद मिलेगी और, हमारे माननीय प्रधान मंत्री के दृष्टिकोण के साथ, ये कुशल श्रमिक इन कारीगर सशक्तिकरण कार्यक्रमों के साथ वित्तीय रूप से बढ़ने में सक्षम हुए हैं।

लिए परियोजना लागत के 35 प्रतिशत तक मार्जिन मनी सहायता प्रदान की जा रही है। विनिर्माण क्षेत्र के लिए 50 लाख रुपये और सेवा क्षेत्र में 20 लाख रुपये है। पारंपरिक उद्योगों के उत्थान के लिए धन की योजना (स्फूर्ति) के तहत, नवीनतम मशीनों, डिजाइन केंद्रों, कौशल विकास आदि के साथ सामान्य सुविधा केंद्रों के निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के तहत कुल 19 खिलौना समूहों को मंजूरी दी गई है, जिससे 55.65 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ ११७४९ कारीगर लाभान्वित हुए हैं।

यह जानकारी सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री भानु प्रताप सिंह वर्मा ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

पृष्ठ 16 से आगे.....

कर रहा है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन (पीएमईजीपी) के तहत एक लाख रुपये तक की लागत वाली इकाई की स्थापना के

पटना में 10 दिवसीय खादी ग्रामोद्योग महोत्सव - आंचलिक खादी ग्रामोद्योग और पीएमईजीपी प्रदर्शनी

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने माननीय सांसद, पटना साहिब व पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार श्री रविशंकर प्रसाद के साथ 24.02.2023 को गांधी मैदान, पटना, बिहार में पूर्वी भारत की आंचलिक स्तरीय खादी प्रदर्शनी-खादी महोत्सव 2023 का उद्घाटन किया। बिहार के कारीगरों के पास बेहतरीन शिल्प कौशल के साथ कला और शिल्प की विविधता है जो न केवल राज्य की सीमाओं को बल्कि समय के साथ राष्ट्रीय सीमाओं को भी पार कर गई है।

इस अवसर पर केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा कि यह प्रदर्शनी भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं जैसे खादी विकास कार्यक्रम, प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), स्फूर्ति और ग्रामोद्योग विकास योजना (जीवीवाई) और अन्य को बढ़ावा देने और राज्य के बेरोजगार युवाओं और पारंपरिक कारीगरों को रोजगार प्रदान करने, उनकी आय बढ़ाने, युवाओं के शहरों की ओर पलायन को रोकने और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। केवीआईसी के अध्यक्ष ने कहा, "इस महोत्सव का आयोजन खादी कारीगरों को

खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों का उत्पादन करने हेतु बाजार प्रदान करने के लिए किया गया था।माननीय अध्यक्ष ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनी पूरे देश में आयोजित की जा रही है। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य उत्पादों की लोकप्रियता बढ़ाना और लोगों को 'खादी' के बारे में जागरूक करना है, जिसे पूज्य बापू जी ने अपनाया और लोगों को स्वदेशी अपनाने के लिए प्रेरित किया और जिसने देश की आजादी में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।"

दुनिया को हमारी फसलों के परागण में मधुमक्खियों के महत्व को समझाने के उद्देश्य से, केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने माननीय सांसद, पटना साहिब व पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार श्री रविशंकर प्रसाद के साथ

24.02.2023 को कृषि विज्ञान केंद्र, खोदावंदपुर, बेगुसराय जिला, बिहार में लाभार्थियों को 300 आभासी मधुमक्खी बक्से और मधुमक्खी कॉलोनियां वितरित की।

24.02.2023 को पटना में खादी मोहोत्सव-2023 के उद्घाटन के बाद, शकेवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने माननीय सांसद, पटना साहिब व पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार श्री रविशंकर प्रसाद के साथ, बिहार के कारीगरों के लिए आयोजित एक लाइव प्रदर्शन सत्र में कारीगरों के साथ बातचीत की और उन्हें व्यवसाय, विकास और प्रशिक्षण में समान अवसर प्रदान किया। सत्रों में कलात्मक मिट्टी के बर्तन बनाना, अगरबत्ती निर्माण, मधुबनी पेंटिंग आदि शामिल थे।

केवीआईसी के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार ने 23 फरवरी, 2023 को केवीआईसी के राज्य कार्यालय, पटना का दौरा किया और कारीगरों और हस्तशिल्प के विकास पर एक उत्साही टीम की बैठक की। अध्यक्ष महोदय ने परिसर में पौधा भी लगाया।

दिल्ली के लाल किले में 'भारत पर्व' प्रदर्शनी

26 जनवरी, 2023, नई दिल्ली: भारत पर्व 2023 का उद्घाटन लाल किला लॉन, नई दिल्ली में हुआ। दिल्ली के लाल किले में 'भारत पर्व' प्रदर्शनी में खादी के कपड़े लोगों के बीच चर्चा का केंद्र बने रहे। केवीआईसी द्वारा लगाए गए स्टॉल में लोगों की भारी भीड़ बता रही है कि देश के लोगों के बीच खादी उत्पादों की मांग बढ़ी है. आप भी आएं और वोकल फॉर लोकल की इस पहल को मजबूत करने में अपना योगदान दें।

राज्य कार्यालय, त्रिवेंद्रम द्वारा जागरुकता शिविर का आयोजन

केवीआईसी के राज्य कार्यालय, त्रिवेंद्रम ने एलबीएस इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पूजापुरा के परिसर में एक जागरूकता बूथ का आयोजन किया। जागरूकता अभियान का उद्घाटन एलबीएस कॉलेज के प्राचार्य श्री विनोद द्वारा किया गया तथा श्री पी. संजीव, नोडल अधिकारी, पीएमईजीपी ने योजना के विवरण पर प्रकाश डाला गया।।

शिविर में सैकड़ों इंजीनियरिंग छात्रों ने भाग लिया। परिसर में नवाचार और उद्यमिता विकास सेल ने सक्रिय रूप से अभियान का आयोजन किया।

मीडिया कवरेज

KVIC increases the wages of Khadi cotton-weavers by 33 percent, a wave of happiness among artisans

Mumbai: Making a strong pitch for the Khadi sector, Prime Minister Narendra Modi has spoken of promoting it globally as well as ensuring two to three times the income of weavers.

Manoj Kumar, Chairman Khadi and Village Industries Commission said that, with the aim of encouraging Khadi workers at the village level, and to increase Khadi production, resulting in strengthening the rural-economy by creating optimum employment, KVIC organised series of Khadi Samvad in the last few months with Khadi workers, Khadi institutions and organizations working in different areas of the country.

He said that during the 'Khadi Samvad', he found that the spinners and weavers of Khadi sector have made a special contribution in increasing the production of Khadi and the demand for increasing their remuneration has been pending for decades.

Keeping in mind the contribution of Khadi cotton-weavers, Khadi and Village Industries Commission under the Chairmanship of Manoj Kumar, took a decision in 694 th meeting of KVIC to increase the wages from Rs.7.50 per hank to Rs.10 per hank for income generation, which would increase the monthly income of artisans by around 33% and 30 % increase in the wages of weavers. This decision will be effective from 1 April 2023.

Prime Minister Narendra Modi through his radio broadcast program "Mann Ki Baat" has appealed many a times to buy khadi "especially the youth". As a result, there has been a record sale of Khadi products year after year. Prime Minister has appreciated every possible effort to increase the adoption of khadi and production and sales of Khadi with the motto of "Khadi for Nation, Khadi for Fashion and Khadi for Transformation" to popularize Khadi time and again, Chairman, KVIC stressed.

खादी का उपयोग हमारी जीवनशैली में अभूतपूर्व संयम लाता है। खादी कातने के लिए चरखा चलाना एक प्रकार की साधना है।

क्या आप जानते हैं, खादी कपड़े से बना 'बापू' को दर्शाने वाला यह टिकट अपनी तरह का अनोखा है! दुनिया का पहला खादी टिकट INDIPEX 2011 के दौरान जारी किया गया था।

माघ मेला, प्रयागराज में वार्षिक राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में खादी उत्पादों की बिक्री में 53% की भारी वृद्धि हुई है, जो 3.81 करोड़ रुपये से बढ़कर 5.84 करोड़ रुपये हो गई है, जो हमारे माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विज़न के साथ ग्रामीण भारत से हमारे कारीगर समुदाय के विकास को उजागर करता है।

सत्यमेव जयते

सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises,
Government of India.

Khadi India

हस्तनिर्मित

स्विट्ज़रलैंड से पेन और घड़ियाँ,
फ्रांस से चमड़े के जूते,
इटली से पर्स व बटुए और
मिस्त्र से कॉटन वस्त्र.

आप इन विदेशी वस्तुओं के लिए हजारों खर्च करते हैं और खरीदते हैं,
और जब भारतीय हस्तशिल्प खरीदने की बात आती है, आप संकोच करते हैं !

इस अवसर पर

अपने शहर के किसी खादी इण्डिया आउटलेट पर जाएं,
गर्व से खरीदें उच्च गुणवत्ता के हस्तनिर्मित वस्त्र और उत्पाद,
जो आपके देशवासियों द्वारा ग्रामीण भारत में बनाये गए हैं !

क्यों विदेशी हाथों को भुगतान करें ?
भारत की आत्मीयता को महसूस करें

खादी और ग्रामोद्योग आयोग

सूक्ष्म,लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार
वेबसाइट : www.kvic.org.in

KVIC ARTWING 2018

https://www.msme.gov.in | Follow us on minmsme @minmsme | Website: www.kvic.org.in | Follow us on kvicindia @kvicindia